नूरजहाँ

(ऐतिहासिक उपन्यास)

(३ रंगीन चित्र सहित)

लेखक
श्रीपं० गोविंदवल्लभ पंत
[वरमाला, संध्या-प्रदीप, राजमुकुट, प्रतिमा, जूनिया, मदारी, अंगूर की बेटी, अंतःपुर का छिद्र, तारिका, सुहाग-बिंदी, एक सूत्र, अमिताभ आदि पुस्तकों के रचयिता]

——:o:——

मिलने का पता—
गंगा-ग्रंथागार
३६, लाटूश रोड
लखनऊ

प्रथमावृत्ति] सन् २००६ [मूल्य ४)